

जुलाई
2025

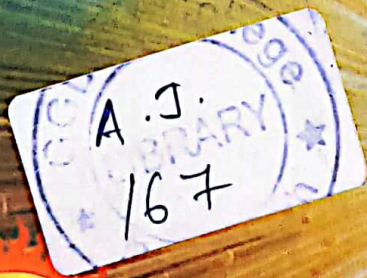
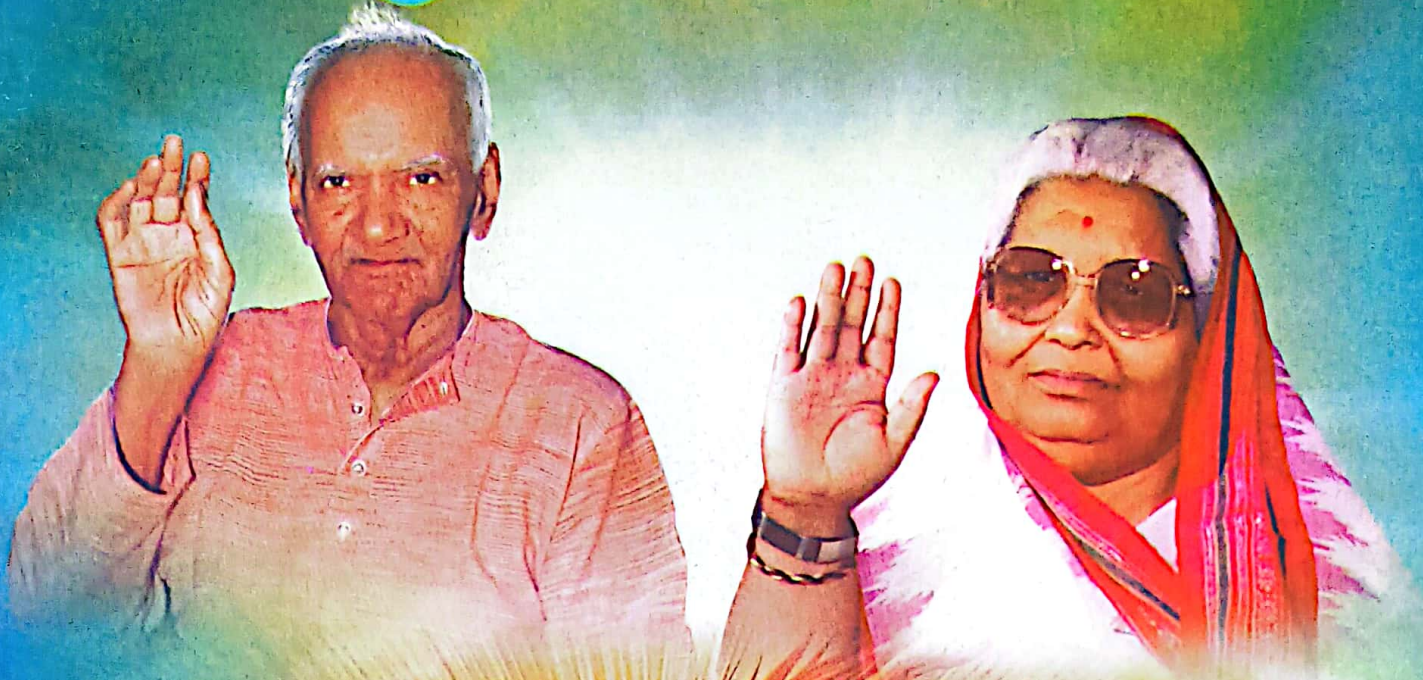


धर्म एवं अध्यात्म के तत्त्वज्ञान का वैज्ञानिक विश्लेषण

अखण्ड ज्योति

वर्ष
89

अंक - 7 | प्रति - ₹ 25 | ₹ 300 वार्षिक



10 ▶ ज्ञान से होती है पवित्रता की प्राप्ति
43 ▶ विवेकशून्य स्वयं को कर्ता मान बैठता है

20 ▶ मनोनिग्रह ही आत्मविजय है
60 ▶ हमारा युग निर्माण सत्संकल्प : नवसृजन का शंखनाद

विषय सूची

❁ आवरण—1	1	❁ भवनात्मक लगाव का रहस्य	33
❁ आवरण—2	2	❁ बाल निर्माण का पावन दायित्व	35
❁ ऋषि जीवन-ऋषि साहित्य	3	❁ ऋषितंत्र से साक्षात्कार	37
❁ विशिष्ट सामयिक चिंतन		❁ ब्रह्मवर्चस-देव संस्कृति शोध सार—195	
रासायनिक कृषि		वृद्धावस्था पर यौगिक प्रभाव	40
आज की विकराल समस्या	5	❁ युगगीता—302	
❁ गायत्री-उपासना से ब्रह्मवर्चस की प्राप्ति	7	विवेकशून्य स्वयं को कर्ता मान बैठता है	43
❁ ज्ञान से होती है पवित्रता की प्राप्ति	10	❁ परमवंदनीया माताजी की अमृतवाणी	
❁ पर्व विशेष—गुरु पूर्णिमा		सौभाग्यशाली वसंत	45
ऐसे बनें सच्चे गुरुभक्त	12	❁ विश्वविद्यालय परिसर से—241	
❁ धर्मोपदेश से मिलती है नई जीवन-दृष्टि	15	रामकथा में तीर्थकथा	52
❁ श्रीरामकृष्ण परमहंस की तीर्थयात्रा	17	❁ साधना शताब्दी—विशिष्ट लेखमाला	
❁ मनोनिग्रह ही आत्मविजय है	20	समाज की बदलती दशा	57
❁ केसर का रोचक संसार	22	❁ अपनों से अपनी बात	
❁ सकारात्मक विचार	24	हमारा युग निर्माण सत्संकल्प	
❁ स्मृति की सुवास	26	नवसृजन का शंखनाद	60
❁ पत्रकारिता में गंभीर पहल का समय	28	❁ गुरु कार्य में रहे समर्पित (कविता)	66
❁ स्मार्टफोन का दुरुपयोग एवं उसका समाधान	31	❁ आवरण—3	67
		❁ आवरण—4	68

आवरण पृष्ठ परिचय

अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानांजनशलाकया । चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

जुलाई-अगस्त, 2025 के पर्व-त्योहार

रविवार	06 जुलाई	देवशयनी एकादशी	मंगलवार	12 अगस्त	बहुला चौथ
गुरुवार	10 जुलाई	गुरु पूर्णिमा/ पूर्णिमा व्रत	शुक्रवार	15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस/ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
सोमवार	21 जुलाई	कामिका एकादशी	मंगलवार	19 अगस्त	अजा एकादशी
गुरुवार	24 जुलाई	हरियाली अमावस्या	शनिवार	23 अगस्त	कुशाग्रहणी अमावस्या
मंगलवार	29 जुलाई	नाग पंचमी	मंगलवार	26 अगस्त	हरितालिका व्रत
गुरुवार	31 जुलाई	तुलसी जयंती	बुधवार	27 अगस्त	गणेश चतुर्थी
मंगलवार	05 अगस्त	पवित्रा एकादशी	गुरुवार	28 अगस्त	ऋषि पंचमी
शनिवार	09 अगस्त	पूर्णिमा/ रक्षाबंधन			



यह पत्रिका आप स्वयं पढ़ें तथा औरों को पढ़ाएँ। कुछ समय के बाद किसी अन्य पात्र को दे दें, ताकि ज्ञान का आलोक जन-जन तक फैलता रहे। —संपादक

► 'नारी सशक्तीकरण' वर्ष ◀